SIPRI इयरबुक 2023

हाल ही में **स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) ने इयरबुक 2023** में खुलासा किया कि इस दशक के अंत तक चीन द्वारा अमेरिका और रूस की भाँति कई इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) तैयार किये जाने की संभावना है।

- **रूस के पास सबसे अधिक संख्या में परमाणु शस्त्रागार हैं, उसके बाद क्रमशः अमेरिका और चीन का स्थान है,** जबकि अमेरिका ने रूस एवं फ्राँस के बाद सबसे अधिक संख्या में परमाणु शस्त्रागार तैनात किये हैं।

परमाणु शस्त्रागार के संदर्भ में SIPRI का खुलासा:

- **वैश्विक परमाणु शस्त्रागार:**
  - **आधुनिकीकरण और विस्तार:**
    - **संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन सहित नौ परमाणु-सशस्त्र देशों** ने वर्ष 2022 में **नए परमाणु-सशस्त्र** या परमाणु-सक्षम हथियार प्रणालियों को तैनात करते हुए अपने **परमाणु शस्त्रागार का आधुनिकीकरण एवं विस्तार करना** जारी रखा है।
    - अन्य परमाणु-सशस्त्र देश **यूनाइटेड किंगडम, फ्राँस, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इज़रायल हैं।**
  - **कुल वैश्विक सूची:**
    - जनवरी 2023 तक **संभावित उपयोग के लिये सैन्य भंडार** में रखे गए लगभग 9,576 वॉरहेड्स के साथ **वॉरहेड्स की कुल वैश्विक सूची 12,512 होने का अनुमान है।**
- **रूस और यू.एस. का प्रभुत्व:**
  - **सभी परमाणु हथियारों का 90%:**
    - **रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका के पास अपने संबंधित** परमाणु शस्त्रागार के **अपेक्षाकृत स्थिर आकार** के साथ सभी परमाणु हथियारों का लगभग 90% हिस्सा है।
  - **शस्त्र नियंत्रण चिंताएँ:**
    - **यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका** के बीच परमाणु बलों के संबंध में पारदर्शिता एवं संवाद में कमी आई है।
    - रणनीतिक **स्थिरता वार्ता का निलंबन और भविष्य में सामरिक आक्रामक शस्त्रों की कमी और सीमा** के लिये उपायों पर संधि (**न्यू START**) ने अनुवर्ती संधि हेतु चर्चा को रोक दिया है।
  - **नई START सीमाएँ बनी हुई हैं:**
    - **SIPRI के आकलन के अनुसार, तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका जनवरी 2023** तक अपने तैनात रणनीतिक परमाणु बलों के लिये New START द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर बने रहे।

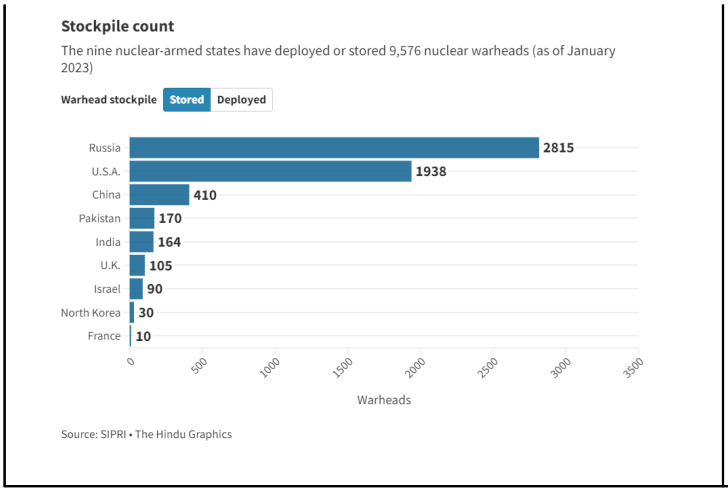

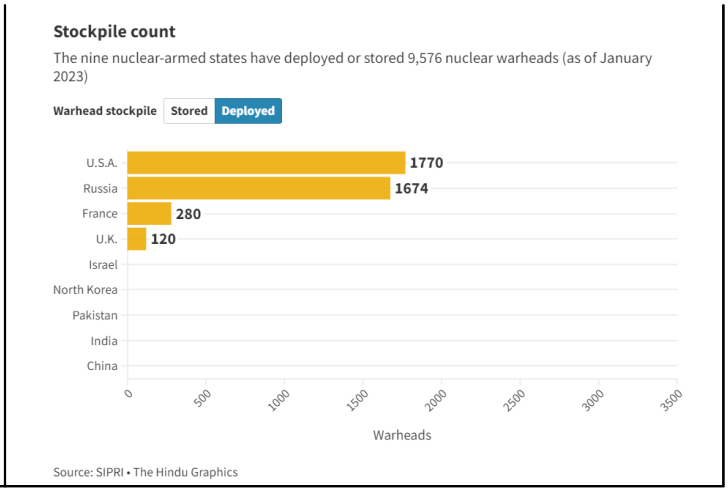

//

- **भारत का परमाणु शस्त्रागार:**
  - **शस्त्रागार में वृद्धि:**
    - भारत के **परमाणु शस्त्रागार का भी विस्तार** हुआ, जो **वर्ष 2022 के 160 वॉरहेड से बढ़कर वर्ष 2023 में 164 वॉरहेड** हो गया और इसी अवधि में पाकिस्तान का वॉरहेड 165 से 170 हो गया।
  - **लंबी दूरी के हथियारों पर ध्यान केंद्रित करना:**
    - भारत के **परमाणु निवारक लंबी दूरी के हथियारों पर बल** दे रहे हैं जो मुख्य रूप से **पाकिस्तान पर ध्यान केंद्रित करते हुए पूरे चीन में लक्ष्य तक पहुँचने** में सक्षम हैं।
  - **बैलिस्टिक मिसाइलों का उन्नयन:**
    - भारत अपनी **बैलिस्टिक मिसाइलों को अपग्रेड** करने की प्रक्रिया में है, जिसमें **पनडुब्बी से लॉन्च की जाने वाली मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल** का विकास और **'अग्नि प्राइम'** नामक नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल शामिल है।
- **चीन का परमाणु शस्त्रागार:**
  - **शस्त्रागार में वृद्धि:**
    - SIPRI के अनुसार, **जनवरी 2022 में चीन का परमाणु शस्त्रागार 350 वॉरहेड से बढ़कर जनवरी 2023 में 410 वॉरहेड** हो गया।
  - **विस्तार संबंधी चिंताएँ:**
    - **चीन का परमाणु हथियारों** का व्यापक विस्तार राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु **न्यूनतम परमाणु हथियार रखने के चीन के ही निर्धारित लक्ष्य के विपरीत** है।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI):

- SIPRI एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है जो संघर्ष, शस्त्रीकरण, शस्त्र नियंत्रण और निरस्त्रीकरण हेतु अनुसंधान के लिये समर्पित है।
- स्टॉकहोम में वर्ष 1966 में स्थापित SIPRI नीति निर्माताओं, शोधकर्त्ताओं, मीडिया और इच्छुक जनता को ओपन स्रोतों के आधार पर डेटा, विश्लेषण एवं सुझाव प्रदान करता है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sipri-yearbook-2023